



हंटरशार्कफोर्स



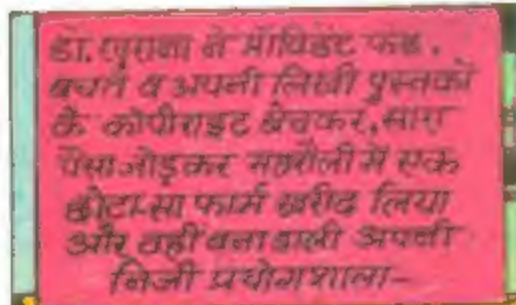
माताहारी का हट्ट शार्क फोर्स

कृषि अनुसंधान विभाग में कार्यरत डॉ. हरबंस
छुराना वर्षों से जुटे थे जेनेटिक म्यूटेशन द्वारा नये
क्रांतिकारी गुणों वाले पेड़-पौधों के विकास में।
परीक्षण संकेत दे रहे थे कि रंग लाने वाली हैं उन-
की तपस्या और होंगे साकार सपने...

कल्पना करो, कुतुबमीनार से भी
पांच-छः गुणा ऊंचे पेड़, जिन पर
लगे होंगे बीस-बीस तीस-तीस किलो
के फल... एक ही पेड़ पूरे नगर की
लकड़ी की आवश्यकताये
पूरी करने के लिये काफी...

तुम कल्पना करो कि तुम्हारा सिर फट गया
है और उसमें से भेजा बाहर निकल रहा है!

किंग कॉमिक्स



खुराना सीधे विभाग महातिदेशक के कार्यालय गये और...



हंटर शार्क फोर्स





स्पांसरशिप की शर्तों के अनुसार सपोला के दो जूनियर वैज्ञानिक खुराना के सहायकों के रूप में काम करने आ गये-



कुछ सप्ताह बाद ही-

अच्छा हुआ ठीक समय पर स्पांसर मिल गया वरना इतने बड़े परिवार का बोझ कैसे उठाता मैं ? देखो न...



.. हमारी लाइकाने छः प्यारे-प्यारे पिल्लों की जन्म दिया है - और..



.. मैटी ने भी तीन छोटे-छोटे च्याऊँ, म्याऊँ जन्मे हैं !



पिल्लों का क्या नाम रखा जाये ?



शायद माडकेल और रंगा कोई नाम सुझा पायें...



लैब में कोई भी न था -

यह दोनों अपने कमरे में ही पड़े रहते हैं अधिकतर। लैब में कम ही आते हैं। कैसे आदमी रखे हैं सपोला ने !



खुराना उनके कमरे की ओर चल दिये-









फिकन करो, खुराना का
न कोई रिश्तेदार है न अडोस-
पडोस में जान पहचान। यहाँ कोई
नहीं आयेगा।



सारी लाशें इसी
गड्ढे में दफना दो। फिर
कमरे से दाम-चखे
साफ करके हम चल
देगे।



भाइकेल,
तुम दाढ़ी बढ़ा-
कर खुराना
बल जाओ।
अब सारा फार्म
हमारा हो गया
ही समझो।



हम एक महीने बाद आयेगे।
तब तक कुछ हो-हल्ला मच भी जाये-
तो भी शांत हो गया होगा।

आर
मपोला
गैम वहाँ
से चल
पड़ा-



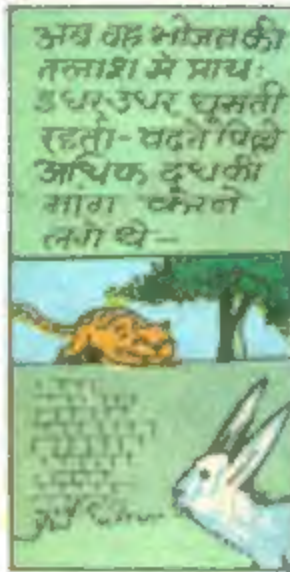
मैटी एक
टूटी खिड़की से फार्म
हाउस में घुसी। अंदर सब कुछ साफ
किया जा चुका था। मैटी को देख मात्र दो बचे फिल्ले
सोफे के नीचे से निकल आये-



दोनों अनाथ फिल्ले मैटी को घेर रेतें लगे। मैटी स्वयं भी
अपने बच्चों के शोक में विह्वल होती थी-



उस रात फार्महाउस से देर
तक तीन रोते की क्वारक
आवाज़ें उठती रहीं।





ब्रह्मा, भवहमारा यन्त्र रहता है। यन्त्र में खाली नहीं है।
पास में ही एक खतरा की भीड़ लटकाई है। यह भ्रम
कर रहे हैं न। जन्ममरण की चक्रों में घूमेंगे तो जीकर
आज रात को ही मर कर दूंगे हैं।



मैटी और पिल्लो ने तहरवाने में लया घर खूबालिया और वे सब मानवों जैसे आचार व्यवहार के ढांचे में विकसित हो लगे। पिछले में आश्चर्यजनक शारीरिक परिवर्तन जरूर आए जैसे कुत्ता, मानव तथा शार्क की भिन्न भिन्न जली नर्था नस्ल तैयार हो रही हो। मैटी की संघर्षे त्थाभा गर्व इस बात का था कि वह डॉ. खुराना की सारी पुस्तकें तथा उनका बिस्म मेडल उतवा लाई था -

अच्छा लच्छा अब यह ताड़क्या हो संगल बढ करे। टी की पर प्रोड शिखा कार्यक्रम आने वाला है . उसे देखी।

मैटी ने पिल्लो को नामकरण भी कर दिया था और उभी अनु-रूप पर्वत का कपड़ा फाड़ कर फी से जोड़ कर कमाड़ा के सी इस वता दिग्ग्य अफले वना के लिख-



टाइगर

बलशाली,
बॉक्सिंग,
सुमो व
फ्री स्टाइल
में खेजाइ



और
यह टाइगर व चीता
की वास्तव्यमयी
मा जिसले अब
अपमानास बदल-
कर रख दिया था
"माताहारी"



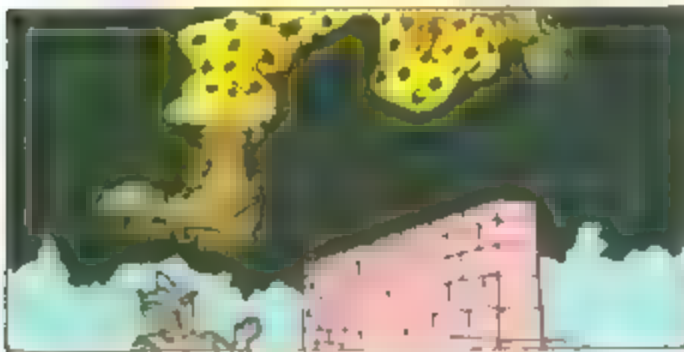
चीता

बिजली-
सा फुर्तीला
जुद कराले



फुग फु
भोर
कला
वाजी
में भागिर

समोरा से खूबहर के पालाही सीमा गुरदाबल को कमांदो देनेवा रेज था । मातामरी गड़ पर चढ़ उत अ प्रगलण को ध्यान से देखती आर नाट करती

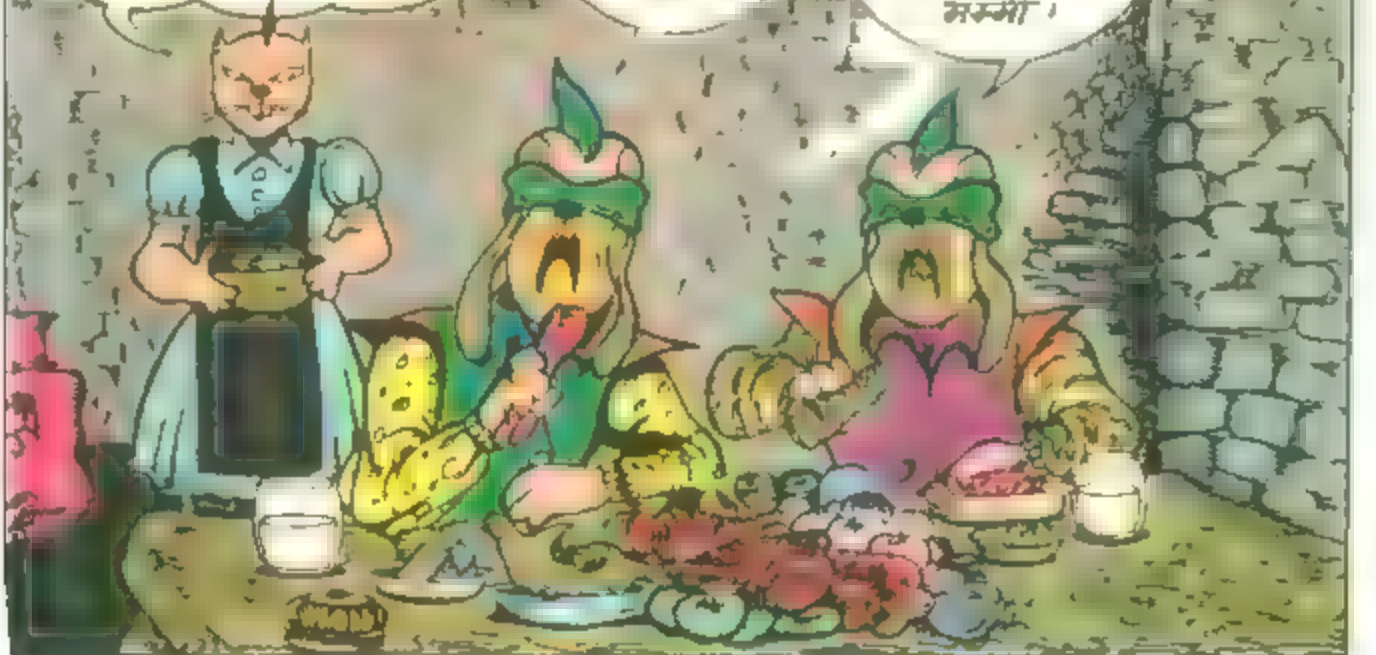


इस सब दिवस बाद मातामरी अपने कम डा वला के धारणा, माता का पूरा ध्यान रखती थी । खूबहर के चार आर दरी काम पालाही फल आर माजिया करेन था, अत खराक जुटाने का समस्या नहीं थी ।

जातार तु गाजर व हरी सब्जिया कोड़ देता है बटा नेर निय जरूरी है - खाराकर ।

ओके ओक मम ।

गाजर आर टमाटर यह सब के हीचे फेंक देता है मम्मी ।

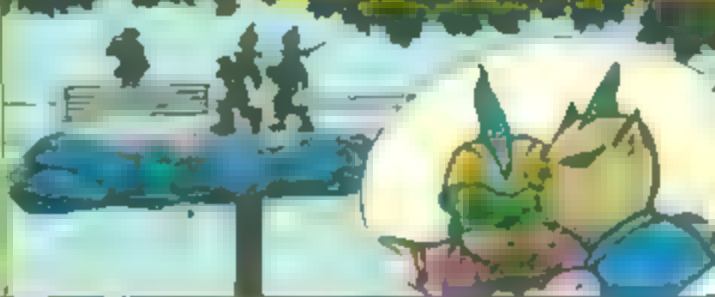


किंग कॉपिक्स

इसी प्रकार देव
रथ गुजर गया।
माताहारी ने उन
दोनों को घालक
कमांडाज के रूप
में दान दिया तो
दाकायदा पीसा
आउट परडका
आवाज न किया
गया -

राइगर व चीता ने माताहारी को
सलाह दी। माताहारी ने उनको
माथा-चूमकमांडाज प्रदान किया

तथा उन्हें दान दिया -



माताहारी के अ देश पर उनकी दैनिक डिल जारी रही

आमा अब तो सीधे
केलिये भी नहीं रहा। क्या
राज हमारी दंडी पसली एक
काती रहती हो?

बेटे,
समय आने
पर सब नती
दगी।

एक दिन ही तो पर
समाचारों में -



"दोनों आलक-
वादी पुलिस के साथ मुठ-
भेड़ में मार गये। इनके
सिर पर"

एराइगर
चीता इधर सुनो।
मेन इन दो आलक
वादी को कहीं
खुदहरो में धुमने
देखा है

तो ?





और मानवारी ने सुना. बाली हंडर शार्क को सारा दर्दनाक कहानी—



हमें बस
आज्ञा भर
दो मां !



और गाताहारी से आशीर्वाद लेकर चल पड़ा हटर शार्क फोम अपने प्रथम मिशन पर, दिलो म प्रतिशोध का नूतन लिये -

जय महाकाल!

पीले चांद पर सूर्य का हिड़काव करत बाढ़ल खडहर म
मूह उठाये रीता मियां और काले पख फेनाय उदते चमगादड़ों
के टल सकेत दे रहे थे कि आज किसी की मात आई है। किसकी ?

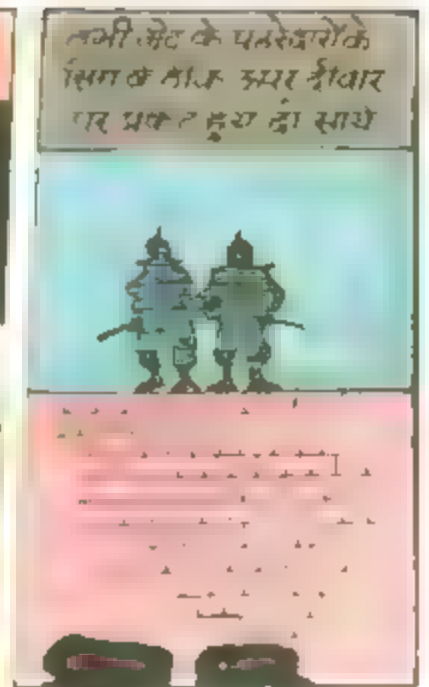
उधर फार्म पर जगत मलाया जा रहा था -

आज दूसरी सालगिरह है
फार्म पर हमारा कहजा होतकी और
उस पागल वैज्ञानिक श्रृंगला के
यमलांक मिथाने की ।

याद है, जब मैंने डंडा मारा
था तो केस फटा था उमका सिर
पकेतर दूज की गरया ..
फरच !

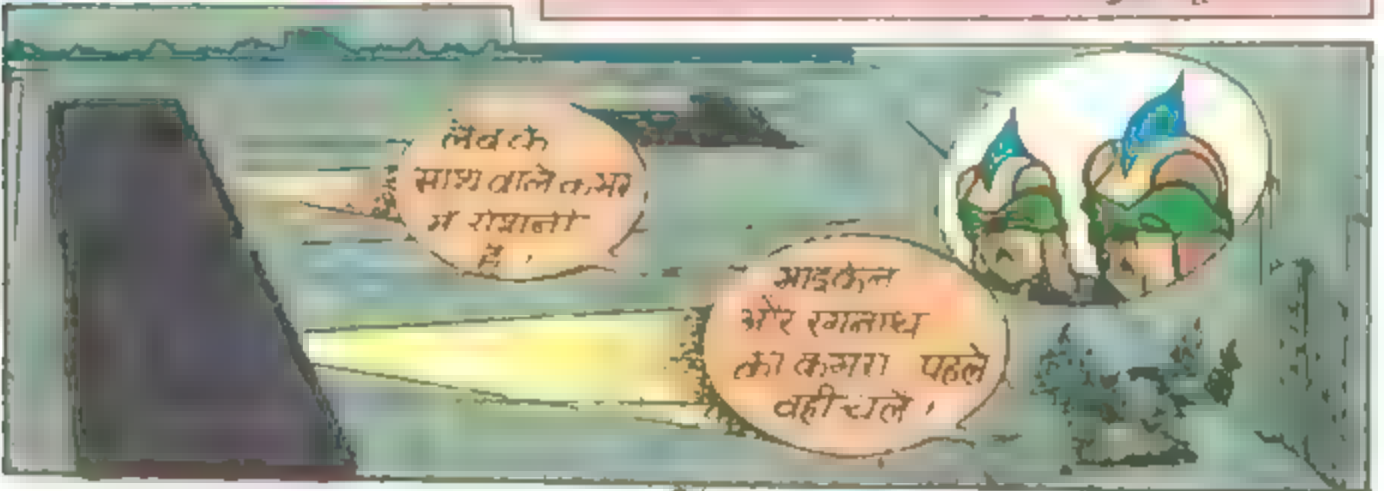
कूते
की भीत कर
'या बचारा' .

किंग कॉमिक्स

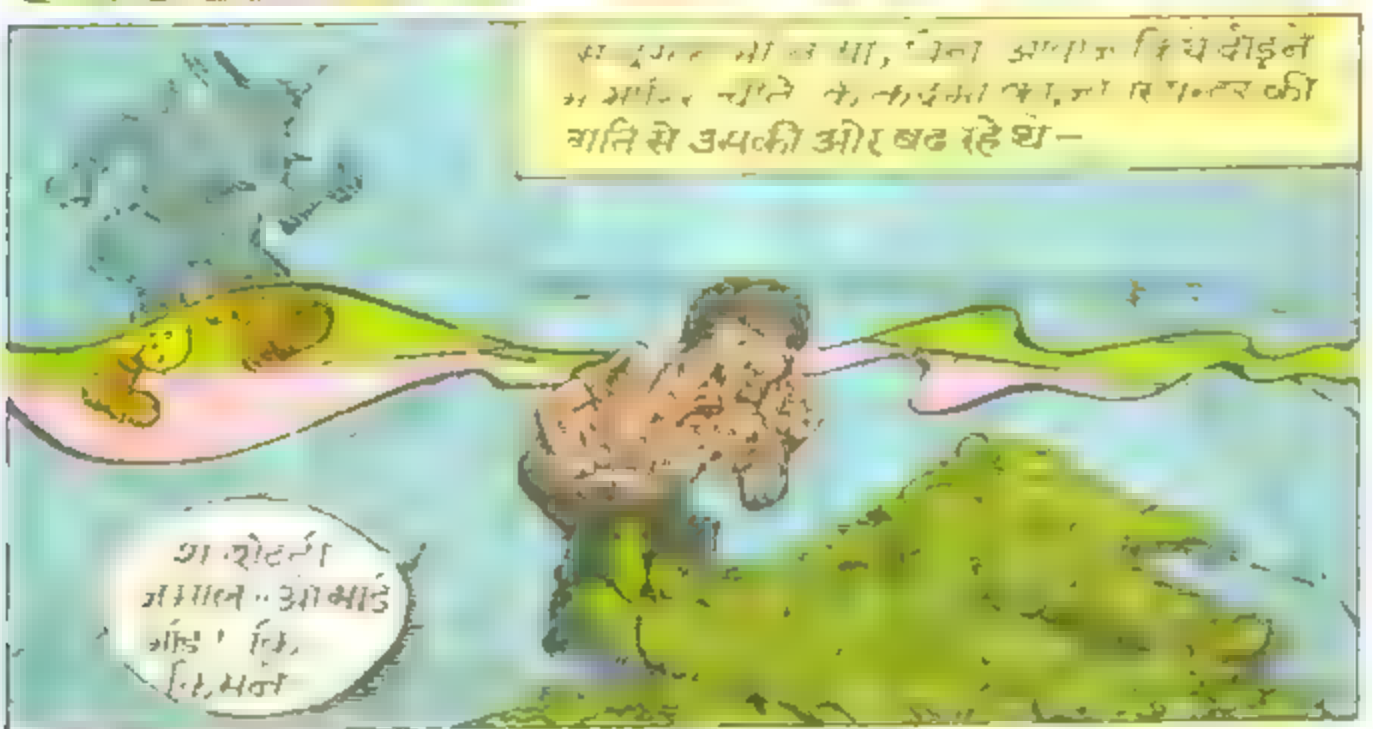


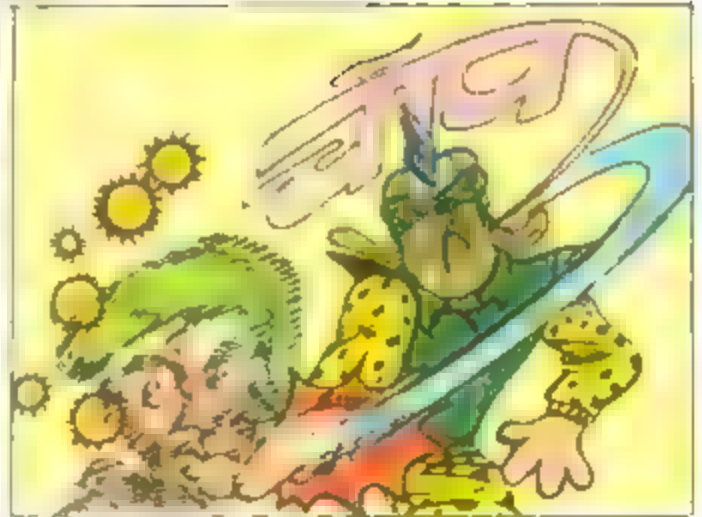


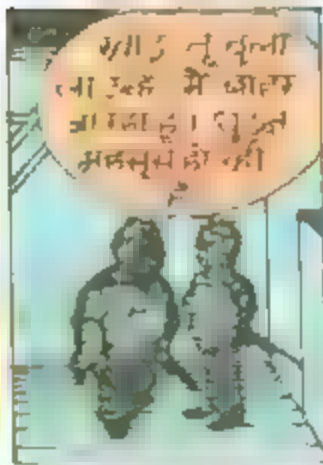
ऊपर से कुदकर आते टाइगर ल मूक हो सक गले
में अपनी मूर्त नाल का बट बसके मूक म हूस दिया

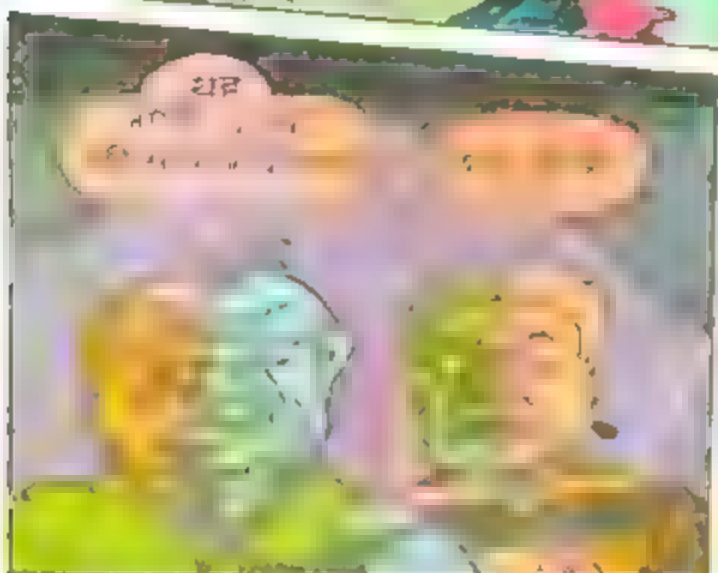


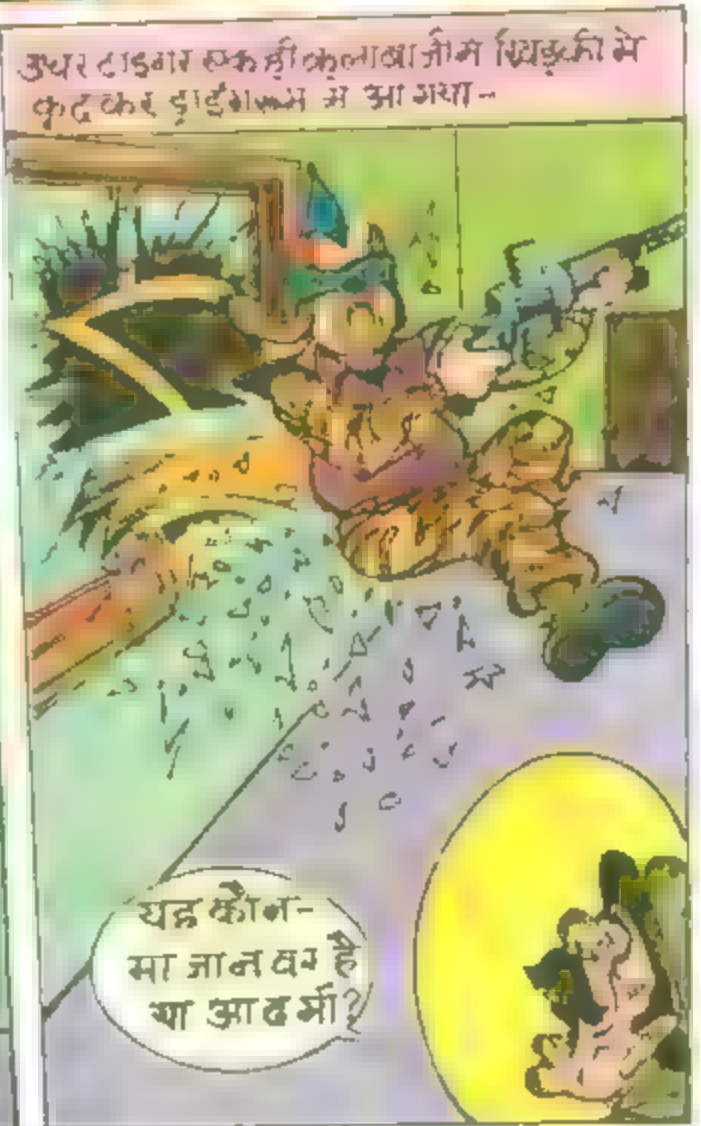
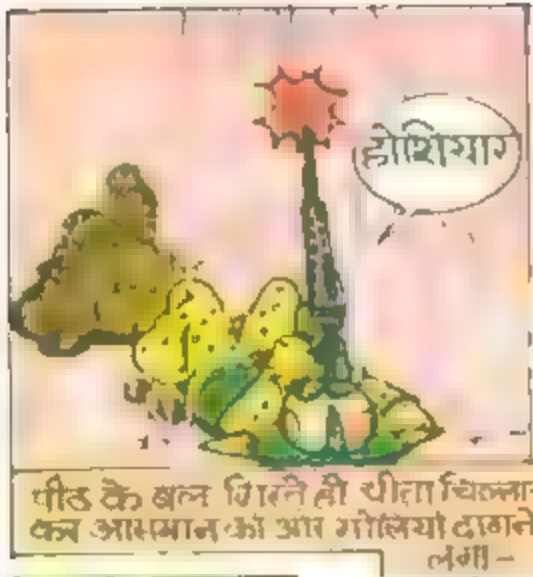












गार्ड का दण के लिये बीसला जाता
काफी मीका था टाइगर के लिये लात
जमाने का-



और वह जा गिरा बरामदे में
गोलियां चला रहे अपने साथियों पर

बाकी काम टाइगर की स्टेनगन ने कर दिया-



दूसरी ओर-



अगर चीता पलटियों खाकर रुक और न हटा होता तो वह खून का लोथड़ा उसे भिगोता उस
के पास ही गिरा होता। लोथड़ा जो कुछ दण पहले तक खांडू के नाम से जाना जाता था-

खांडू के अचानक नीचे कूद
पड़ने से असमंजस में पड़ा
भुच्छा फिर से स्थिति को
समझने की कोशिश कर रहा
था नीचे भांक कर-



उसे पता नहीं था कि स्थिति
तो उसके सिर पर आ चुकी
है चीते के रूप में...



- जो खिड़की की छत्ती
पकड़ कलाबाजी ले चुका
था हत की ओर ऊपर-
और जिसे भुच्छा उड़ते
पतंगों की झलक समझ था







